

TFRI inaugurates 2nd national conference on adding value, marketing of NTFPs

■ Staff Reporter

ICFRE-Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur inaugurated 2nd National Conference on Value Addition and Marketing of Non-Timber Forest Produce (NTFPs) / Medicinal and Aromatic Plants (MAPs) for Livelihood Security. The two-day long conference was attended by over 150 participants including scientists, academicians, researchers, forest department officers, medicinal plant board officials and other Non-Timber Forest Produce (NTFP) and medicinal plant stakeholders through online mode.

Dr Nitin Kulkarni, Director ICFRE-TFRI welcomed the guests and participants and addressed on the considerable share of NTFPs in livelihood of tribals and forest dwellers. He further emphasized on role of such conferences as platform for providing valuable inputs in developing packages for cultivation, sustainable harvesting, post harvesting care, value addition and market linkages of various NTFP species.

Chief guest, AS Rawat, IFS, Director General, Indian Council of Forestry Research



Officials releasing a journal during national conference at TFRI.

and Education (ICFRE), Dehradun appreciated TFRI initiative for conducting conference covering important aspects of NTFPs. He spoke on the urgent need for their sustainable harvesting and value addition locally for income enhancement of the tribals and other forest dwellers in each region of the country. He further released the souvenirs and compendium of over 130 abstracts submitted for the conference.

Prof. Dr. Taneja Nesari, CEO, National Medicinal Plant Board and Dr. H. S. Gupta, Ex PCCF, Jharkhand and current Chair of Excellence (Forest Productivity & Livelihood) graced as the guest of honour for the event.

Introducing the conference theme, Neelu Singh, Group Coordinator Research ICFRE-TFRI spoke on guidelines for

marketing of Minor Forest Produce (MFP) by Ministry of Tribal Affairs. She also discussed Van Dhan Yojna and other schemes by Government of India for encouraging NTFP trade and benefitting tribals and rural poor of the country.

The conference covered various aspects of NTFPs in six technical sessions covering themes for conservation, domestication, resource assessment, collection, harvesting, processing, value addition, bio prospecting, indigenous traditional knowledge, adulteration, quality control, biotechnological approaches for NTFPs/ MAPs species.

Organizing Secretary, Dr. Hari Om Saxena, Scientist-E, TFRI extended the formal vote of thanks and moderation of the event was successfully conducted by Ajin Sekhar, Scientist-B, TFRI, Jabalpur.





पत्रिका

jabalpur, 03/05/2023, Page 08

आजीविका सुरक्षा पर कार्यशाला



पत्रिका @ जबलपुर. उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआइ में आजीविका सुरक्षा के लिए अकाष्ठ वन उपज, औषधीय पौधों के मूल्यवर्धन और उसकी मार्केटिंग को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। टीएफआरआइ के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने खेती, देखभाल, मूल्यवर्धन और मार्केट लिंकेज के बारे में बताया। भारतीय वानिकी

अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक एएस रावत प्रत्येक क्षेत्र में आदिवासियों और अन्य वनवासियों की आय बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर जरूरतों के बारे में बताया। डॉ. तनेजा नेसारी और डॉ. एचएस गुप्ता, नीलू सिंह ने लघु वन उपज व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीणों को लाभान्वित करने के बारे में जानकारी दी। संचालन अजिन शेखर ने किया।



औषधीय और सुगंधित पौधों के मूल्यवर्धन पर हुई चर्चा

जबलपुर। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में आजीविका सुरक्षा के लिए अकाष्ट वन उपज (एनटीएफपी), औषधीय और सुगंधित पौधों के मूल्यवर्धन और विपणन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, वनविभाग एवं औषधीय पादप बोर्ड के अधिकारियों, एनटीएफपी और औषधीय पादप हितधारकों सहित 150 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक ने आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका में एनटीएफपी की महत्वपूर्ण भागीदारी पर संबोधन दिया। उन्होंने विभिन्न एनटीएफपी प्रजातियों की खेती, विनाश



विहीन विदोहन, विदोहन उपरांत देखभाल, मूल्यवर्धन और मार्केट लिंकेज के लिए विकासशील पैकेजों में मूल्यवान इनपुट प्रदान करने में इस तरह के सम्मेलनों की भूमिका पर जोर दिया। मुख्य अतिथि एस रावत,

आईएफएस, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून ने सम्मेलन के लिए प्रस्तुत किए गए स्मृति चिन्ह और संग्रह का विमोचन किया। प्रो. डॉ. तनेजा, डॉ. एचएस गुप्ता सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। नीलू सिंह, समूह समन्वयक अनुसंधान, टीएफआरआई ने भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आभार प्रदर्शन आयोजन सचिव डॉ. हरिओम सक्सेना व संचालन अजिन शेखर ने किया। पी-2

